माँ दे हुकम बिना पता भी नहीं झुल्दा

मंदरी जाके शीश जुका ले माँ दे नाम दी ज्योत जगा ले,
कर पछतावा भूल दा माँ दे हुकम बिना पता भी नहीं झुल्दा

मांग मिलदी है माँ तो मंगी,
पेरेदार भेरो बजरंगी,
दर ते पीपली माँ मेरी दे तारे बेडा कुल दा,
माँ दे हुकम बिना पता भी नहीं झुल्दा ,

मन तेरा क्यों डोले खावे बुलेया नु माँ चरनी लावे,
मेहर करे जद नैना देवी बंद भाग भी खुल्दा,
माँ दे हुकम बिना पता भी नहीं झुल्दा ,

नूर तू जाए पला गल पाके माँ तो झोली मुड़ी भरा के,
शेरावाली माँ दे दीनदी फल सेवा दे मूल दा,
माँ दे हुकम बिना पता भी नहीं झुल्दा ,

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/15387/title/maa-de-hukam-bina-pta-bhi-nhi-jhulda

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |